Grizzly College of Education

GRIZZLY
COLLEGE OF EDUCATION

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to VBU Hazaribag & JAC Ranchi

E-Newsletter

Bulletin ISSUE September - December 2019

From the Directors' Desk

हमें प्रसन्नता है कि महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास में प्राचार्या की अहम् भूमिका है। निर्णय लेने में अग्रणी, परिश्रमों में अथक, प्रेम में असीम, बुद्धिमत्ता में प्रतिभावान व गंभीर, भावनाओं में उत्कृष्ट और अनुशासन में कठोर – ये हैं आपका दुर्लभ व्यक्तित्व। इसके अतिरिक्त आप नवाचार की प्रेरणा देने में अत्यन्त मुखर हैं। आपके इन्हीं गुणों के कारण कॉलेज का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। इसी तरह विकास की गति शाश्वत रहे – इन्हीं शब्दों के साथ हम आपके कुशल नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए टीम के सदस्यों और शिक्षक–प्रशिक्षुओं को नव वर्ष की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं।

मनीष कपसिमे *अविनाश सेठ*

From Principal's Desk

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

प्रस्तुत ''सूचनापत्र'' महाविद्यालय में वर्षान्त के चार महीनों में किए गए विभिन्न ज्ञानवर्धन और रचनात्मक कार्यक्रमों का संकलन है। यह अंक मोतियों की माला की तरह है। प्रत्येक कार्यक्रम यदि गागर में सागर है तो शैक्षणिक और गुणवत्ता की दृष्टि से प्रकाशपुंज और पाठकों के लिए संजीवनी है। निष्पक्षता और पारदर्शिता इस पत्रिका की मुख्य विशेषताएँ है। इसी परिप्रेक्ष्य में 1 Sep. से 30 Sept. तक कुपोषण मुक्त समाज की दिशा में शहर और गाँव में डोर टू डोर पोषण जागरूकता अभियान का कार्यक्रम, 5 Sep. को विश्व को आलोकित करने वाले ''शिक्षक दिवस'' के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन, 7 Sep. को प्रतिभा खोज पर आधारित वृहत् कार्यक्रम, 11 Sep. को गाँधीवाद को व्यावहारिक धरातल देने वाले मौलिक चिन्तक विनोबा भावे की जयन्ती समारोह, 14 Sep. को भारत की एकता के प्रतीक ''हिन्दी दिवस'' पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन, 2 Oct. को ''गाँधी जयन्ती'' के पावन अवसर पर उनके सत्य, सहिष्णुता और अहिंसा को केन्द्र में रखते हुए पेन्टिंग और चित्रांकन कार्यक्रम, 16 Oct. को लोकतंत्र में मतदान की महत्ता पर आधारित शहर के मुख्य स्थलों पर मतदाता जागरूकता अभियान, 22 Oct. को ग्रिजली विद्यालय में ज्ञान के भण्डार ''पुस्तक मेला'' का भ्रमण, 23 Oct. को विनोबा भावे वि० के प्रागंण में झूमर कार्यक्रम में कॉलेज प्रशिक्षुओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन, 11 Nov. को शिक्षा की महत्ता के आलोक में ''राष्ट्रीय शिक्षा'' के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता, 14 Nov. को प्रथम प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मोत्सव को बालदिवस के रूप में मनाया गया, 15 Nov. को दीपोत्सव के अवसर पर ''प्रदूषणरहित दीपावली'' थीम पर प्रशिक्षुओं द्वारा आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता, 16 Nov को व्यक्ति का आइना है ''व्यक्तित्व'' के आलोक में व्यक्तित्व विकास पर विशेष आयोजन, 20 Nov. को मतदाता जागरूकता पर मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन, 26 Nov. को भारत की आत्मा ''संविधान दिवस'' पर प्रतियोगिता का आयोजन, 29 Nov. को शहर के मुख्य स्थलों पर प्रशिक्षुओं द्वारा आकर्षक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, 21 Dec. को मानव जीवन को सार्थक बनाने में श्रेष्ठ पुस्तकों की भूमिका के संदर्भ में ''पुस्तकालय दिवस'' का आयोजन और 22 Dec. को प्रेम, सद्भावना, भाईचारा, क्षमा और दया के उपासक प्रभु ईसा मसीह की स्मृति में ''क्रिसमस दिवस'' का भव्य समारोह पर कॉलेज द्वारा गोद लिए उपेक्षित गाँव इन्दरवा टॉड़ के बच्चों के मध्य भोजन सामग्री और मिष्ठान वितरण कार्यक्रम आयोजित हुए। उपर्युक्त सभी कार्यक्रम कॉलेज के निष्ठावान अध्यापकों और प्रशिक्षुओं के प्रयास और सहयोग से ही संभव हो पाया है। इसके लिए मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ और निदेशक महोदय को विशेष आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने टीम के सदस्यों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए मुझे प्रोत्साहित किया है। इन्हीं शब्दों के साथ ''आप 2019 के सबक से संवार लें 2020''।

Sanjeeta Kumari

Dr. Sanjeeta Kumari
Chief Editor

माँ मेरा जुर्म तो बताओ

माना गलती थी मेरी जो निकली अंधेरी रात में,
पर ये काले साये का अंधेरा उन जालिमों की आंखो से हटाओं,
आँख उठा के न देख उन्हें, पर अब तों उन्हे शर्मशार करवाओ.....

माँ मेरा जुर्म तो बताओ
छोटे से बड़े तक प्यार दिया तूने, पर तड़पने के बाद ये
झूठा प्यार तो मत जताओ, बहुत तड़पी हूँ इन लपटो में झुलस कर,
अब बारी उनकी है उन्हें भी चौराहे पर जलाकर तड़पाओ .....

माँ मेरा जुर्म तो बताओ
जान बूझकर ये कर्म हुआ, मुझपे ये दुष्कर्म हुआ
रूह-रूह को छलनी कर सांसो का रूख जो नम हुआ,
इन छोटी मोटी सजा से उन दरिंदो को न डराओ,
घसीट लो उनको भी अब रूह उनकी भी छलनी कराओ,
बहुत दर्द हुआ है माँ मुझे, कोई उनको भी समझाओ .....

माँ मेरा जुर्म तो बताओ
बहुत जली इस आग में अब मोमबत्ती की झूठी लौ ना दिखाओ
और मत डराओ, मैं तो बच न सकी इन जालिमों के हाथ
मेरी बहन बेटियों को बचाओ.....
माँ माँ माँ माँ
माँ मेरा जुर्म तो बताओ।

Reshma Praveen
B.Ed. (2019-21)

Conservation of Energy

Conservation refers to the effort made to reduce the consumption of energy. The energy on earth is not unlimited supply furthermore; energy can take plenty of time to regenerate. This certainly makes it essential to conserve energy. Most noteworthy, energy conservation can be available either by using energy more efficiently or by reducing the amount of service usage.

Importance of energy conservation:-

First of all, energy conservation plays an important role in saving non-renewable energy resources. Furthermore, non-renewable energy source take many centuries to regenerate, Moreover human consume energy at a faster role then it can be produced. Therefore energy conservation would lead to the preservation of these precious non-renewable sources of energy.
Energy Conservation will reduce the expanse related to fossil fuel. Fossil fuels are very expensive to all. Energy conservation would certainly reduce the amount of fossils fuel being mined. Energy Conservation would strengthen the Economy as consumer will have more disposable income to spend on goods and services. Another important reason for energy conservation is environmental protection. This is because various energy is harmful to the atmosphere.

• Method or ways for conservation of energy:-

1) Adjust your day to day behaviour.
2) Replace your light bulb.
3) Purchase energy efficient appliances.
4) Reduce your water healing expenses.
5) Use as much of Sources as much you need.
6) Install a programmable or smart thermostat.

Conclusion:-

Energy conservation is important and beneficial for many reasons you can save money, increase your property value and most important, protect your environment.

Jyoti Singh
B.Ed. (2019-21)

तुम मुझको कब तक रोकोगे

मुठ्ठी में कुछ सपने लेकर, भर कर जेबो में आशाऐं,
दिल मे है अरमान यही, कुछ कर जाएँ कुछ कर जाएँ।

सूरज सा तेज नही मुझमें, दीपक सा जलता देखोगे,
अपनी हद रौशन करने से, तुम मुझे कब तक रोकोगे।

मै उस माटी का वृक्ष नहीं, जिसको नदियों ने सींचा है,
बंजर माटी में पल कर मैने, मृत्यु से जीवन खींचा है।

मै पत्थर पर लिखी इबारत हूँ , शीशे से कब तक तोड़ोगे,
मिटने वाला मै नाम नहीं, तुम कब तक मुझको रोकोगे।

इस जग मे जितने जुल्म नहीं, उतने सहने की ताकत है।
तानों के शोर में रहकर, सच कहने की आदत है।

मैं सागर से भी गहरा हूँ , तुम कितने कंकड़ फेंकोगे,
चुन-चुन कर आगे बढूँगा मैं, तुम कब-तक मुझको रोकोगे।

झुक-झुक कर सीधा खड़ा हुआ, अब फिर झुकने का शौक नहीं,
अपने ही हाथों रचा स्वयं, तुमसे मिटने का खौफ नहीं।

तुम हालातों की मिट्टी में, जब जब मुझको झोंकोगे,
तब-तब तप कर सोना बनूगाँ मैं, तुम मुझको कब तक रोकोगे।

Apurva Sarkar
B.Ed. (2019-21)

साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात जाने क्यों कहते है विंटर सोलस्टाइस

साल का सबसे छोटा दिन यानी 21 दिसंबर को होगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि इस दिन मकर रेखा पृथ्वी के सर्वाधिक निकट होगी। इसी के चलते इस दिन की अवधि कम होगी। यह दिन 10 घंटे, 19 मिनट और 10 सेकंड की अवधि का होगा। इस दिन के बाद से ही ठंड बढ़ जाती है, इस दिन सूर्य पृथ्वी पर कम समय के लिए उपस्थित होता है तथा चंद्रमा अपनी शीतल किरणों का प्रसार पृथ्वी पर अधिक देरी तक करता है। इसे विंटर सोल्टाइस अथवा दिसंबर दक्षिणायन कहा जाता है।

– खगोल शास्त्रियों के अनुसार पृथ्वी अपने अक्ष पर साढ़े तेईस डिग्री झुकी हुई है जिसके कारण सूर्य की दूरी पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध्द से अधिक हो जाती है और सूर्य की किरणों का प्रसार पृथ्वी पर कम समय तक हो पाता हैं। कहा जाता है कि इस दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायन में प्रवेश करता हैं।

– वहीं 'विंटर सोल्सटाइस' के ठीक विपरीत 20 से 23 जून के बीच 'समर सोलस्टाइस' भी मनाया जाता है। तब दिन सबसे लंबा और रात सबसे छोटी होती है तो वहीं 21 मार्च और 23 सितंबर को दिन और रात का समय बराबर होता है। आज के दिन को 'वास्तविक संक्रांति' से भी जोड़ते है क्योंकि ऐसा मानना है कि 1700 साल पहले आज के ही दिन 'मकर संक्राति' मनाई जाती थी जो कि अब 14 जनवरी को आती है।

Puja Kumari
B.Ed. (2019-21)

सपना

<u>सपनों में दौड़ क्यों नही पाते :-</u>

विशेषज्ञों के अनुसार हमारी नींद के चार चरण होते है, उनमें से एक चरण 'रैपिड आई मूवमेंट' है। इस चरण में हम सपने देखते है और इस दौरान हमारा शरीर लगभग लकवाग्रस्त सा हो जाता है। इस दौरान हमें आसपास का वातावरण वैसा ही दिखता है, जैसा जागने के दौरान दिखाई देता है, लेकिन उसके प्रति हमारी क्रियाएँ वैसी नहीं होती। ऐसा इसलिए क्योंकि इस समय हमारा दिमाग तो सक्रिय होता है, पर अंगो के संचालन की प्रक्रियाएँ सुप्त होती है। यह स्थिति तब तक रहती है, जब तक दिमाग के वे हिस्से फिर से सक्रिय न हो जाएं, जो शरीर की हलचल के लिए जरूरी होते हैं।

एक मनुष्य रात में औसतन चार सपने देखता है और एक साल में 1,460 सपने देखता है। इसमें से महज 5 % सपने ही हमें याद रहते है। जन्म से दृष्टिहीन लोगों को भी सपने आते हैं। हाँ, उन्हे कोई तस्वीर नहीं दिखती, बल्कि उनके सपनों में चीजों की आवाज, गंध, स्पर्श और भावनाएँ ही आती है।

Shivmani Kumari,
B.Ed. (2019-21)

Activities of the month Sept, Oct, Nov & Dec 2019

Talent Search

Vinoba Bhave Jyanti

Voter Awareness Activities
Door to Door Campaining, Nukkad Natak & Rally

Teacher's Day Celebration

Gandhi Jayanti

Clothes Distribution

Book Fair

National Education Day

Mehndi Competition

Children's Day

Personality Development

Rangoli Competition

Constitution Day

Hindi Diwas

Library Day

Christmas Day Celebration

जिंदगी

हारना तब आवश्यक हो जाता है,
जब लड़ाई अपनों से हो.....
और जीतना तब आवश्यक हो जाता है,
जब लड़ाई अपने–आप से हो.....
मंजिल मिले ये तो मुकद्दर की बात है,
हम कोशिश ही न करे ये तो गलत बात है.....
किसी ने बर्फ से पूछा कि,
आप इतने ठंडे क्यों हो.... ? ?
बर्फ ने बड़ा अच्छा जवाब दिया.....
''मेरा अतीत भी पानी,
मेरा भविष्य भी पानी, फिर
मैं गर्मी किस बात की रखूँ''
गिरना भी अच्छा है, दोस्तों
औकात का पता चलता है.....
बढ़ते हैं जब हाथ उठाने को,

अपनों का पता चलता है .....
सीख रहा हूँ मैं भी इंसानो को
पढ़ने का हुनर .....
सुना है चेहरे पर किताबों से ज्यादा लिखा होता है
रब ने नवाजा हमें जिंदगी देकर,
हम शौहरत मांगते रह गए .....
जिंदगी गुजार दी शौहरत के पीछे,
फिर जीने की मोहलत माँगते रह गए .....
ये कफन, ये जनाजे, ये कब्र, सिर्फ बातें है मेरे दोस्त
वरना, मर तो इंसान तब ही जाता है,
जब याद करने वाला कोई न हो .....
ये समंदर भी तेरी तरह खुदगर्ज निकला
जिंदा थे तो तैरने ना दिया,
और मर गए तो डूबने न दिया।

Saheen Parveen
D.El.Ed. (2019-21)

Prize Distribution

Human Rights Day

International Yoga Day

(हिन्दी - اردو)

میں ہندی کی وہ بیٹی ہوں جسے اردو نے پالا ہے
اگر ہندی کی روٹی ہے تو اردو کا نوالا ہے
مجھے ہے پیار دونوں سے مگر یہ بھی حقیقت ہے
لتا جب لڑکھڑاتی ہے، حیا نے ہی سنبھالا ہے

میں جب ہندی سے ملتی ہوں تو اردو ساتھ آتی ہے
اور جب اردو سے ملتی ہوں تو ہندی گھر بلاتی ہے
مجھے دونوں ہی پیاری ہیں میں دونوں کی دلاری ہوں
ادھر ہندی سی ماتی ہے، ادھر اردو سی خالہ ہے۔

یہیں کی بیٹیاں دونوں یہیں پر جنم پایا ہے
سیاست نے انہیں ہندو اور مسلم کیوں بنایا ہے
مجھے دونوں کی حالت ایک سی معلوم ہوتی ہے
کبھی ہندی پر بندش ہے کبھی اردو پر تالا ہے

بھلے اپمان ہندی کا یا توہین اردو کی
خدا کی ہے قسم ہرگز حیا یہ سہ نہیں سکتی
میں دونوں کے لئے لڑتی ہوں اور دعوے سے کہتی ہوں
میری ہندی بھی اتم ہے اور اردو بھی اعلیٰ ہے۔

Achievements

100% Attendance for B.Ed. Session 2019-21 in Sept' 2019

Moni Kumari	6
Simpi Sinha	11
Chunnu Kumar	15
Santosh Kr. Kushwaha	19
Vikas Kr. Yadav	20

100% Attendance for B.Ed. Session 2019-21 in Nov' 2019

Pintu Kr. Singh	5
Moni Kumari	6
Simpi Sinha	11
Shrena Sen	14
Chunnu Kumar	15
Pooja Kumari	49
Pooja Kumari	65

100% Attendance for B.Ed. Session 2019-21 in Oct' 2019

Pintu Kr. Singh	5
Moni Kumari	6
Kanti Kumari	13
Chunnu Kumar	15
Santosh Kr. Kushwaha	19
Anita Kri. Verma	28
Manisha Kumari	30
Reshma Parveen	36
Asif Iqbal	48
Vikas Kumar	50
Pushpa Kumari	97

100% Attendance for B.Ed. Session 2019-21 in Dec' 2019

Pintu Kr. Singh	5
Moni Kumari	6
Simpi Sinha	11
Kiran Kumari	12
Chunnu Kumar	15
Reshma Parveen	36
Pooja Kumari	49
Shivmani Kumari	61

Best House of The Month September 2019 :- Vivekanand House

Best House of The Month October 2019 :- Rousseau House

Best House of The Month November 2019 :- Radhakrishnan House

Best House of The Month December 2019 :- Vivekanand House

Editorial Board

Chief Editor : -

Dr. Sanjeeta Kumari

Editor : -

Mrs. Rajni Bala

Editorial Board Students : -

Asif Iqbal
Mohit Kumar
Manisha Kumari

To,

Printed At. MANOHAR PRINTING PRESS, JHUMRITELAIYA